ΧΟ. εἶεν· τόδ' ἐστὶ τἀνδρὸς ἐμφανὲς τέκμαρ.
ἕπου δὲ μηνυτῆρος ἀφθόγγου φραδαῖς.
τετραυματισμένον γὰρ ὡς κύων νεβρὸν
πήνθ' αἵματος σταλαγμὸν ἐκματεύομεν.
πολλοῖς δὲ μόχθοις ἀνδροκμῆσι φυσιᾷ
σπλάγχνον· χθονὸς γὰρ πᾶς πεποίμανται τόπος,
ὑπέρ τε πόντον ἀπτέροις ποτήμασιν
ἦλθον διώκουσ', οὐδὲν ὑστέρα νεώς.
καὶ νῦν ὅδ' ἐνθάδ' ἐστί που κατεπτακώς.
ὀσμὴ βροτείων αἱμάτων με προσγελᾷ.
ὅρα ὅρα μάλ' αὖ λεῦσσέ τε πάντα, μὴ

βρέτας τόδε | *ἧσαι φυλάσσων* etc. *αὐτοῦ* mss. *καὐτοῦ* Sch. Dind. *οὕτω* Burges. *ὅ τοι* conj. Weckl. Qu. *καὔτ' εὖ* —. *ἀναμένω* mss. Pal. *ἀναμενῶ* Stanl. Herm. *ἀμμενῶ* Dind. Weil. Weckl. Recte.

244—275. Haec alii aliter distribuunt.

244. *ἐκφανὲς* mss. *ἐμφανὲς* Blomf. ad Pers. 404. Recte. Cf. Ch. 667. *ἐμφανὲς τέκμαρ.* et ad Pers. l. l.

245. *ἕπου δὲ*] Qu. *ἕπεσθε.* *ἀφθέγκτου* mss. Correxi *ἀφθόγγου.* Cf. 448. Pers. 206.

246. *νεκρὸν* mss. *νεβρὸν* Vict.

247. *πρὸς αἷμα*] Aperte vitiosum. Leg. *τόδ' αἷμα*, vel *τὼς* (sic) *αἷμα.* *πρὸς αἷμα καὶ σταλαγμὸν* mss. *πρὸς αἵματος σταλαγμόν.* Qu. *πάνθ' αἵματος σταλαγμόν*, aut *πᾶν αἷμα καὶ σταλαγμόν.* Cf. Eur. Ion. 351. *σταλαγμὸς αἵματος.* 1003. Hec. 241. *φόνου σταλαγμόν.* Soph. Fr. 340. *σμύρνης σταλαγμούς.* Vix bene dici posset *ἐκματεύειν πρός τι.* Cf. Ag. 1094. *ματεύειν — φόνον.* *ἐκμαστεύομεν* mss. *ἐκματεύομεν* Dind. Herw.

248. *ἀνδροκμῆσι*] *ἀρθροκμῆσι* Schoem. Heims. Schol. *μεγαλοκμῆσι* (*μέλο.* Heims.). Fort. *ἀνδροδμῆσι.*

249. *σπλάγχνον*] Qu. *σπλάγχνα.*

250. *πωτήμασι* (*-σιν* sec. m.) M. *πωτήμασιν* al. *ποτήμασιν* Dind. Weckl.

251. *οὐδὲν*] *οὐδάμ'* Burges.

252. *καταπτακών* mss. Pal. Dind. Weckl. *καταπτακὼς* Turn. *κατεπταχὼς* Cas. *κατεπτακὼς* Abr. Pauw. Heath. Wakef. Sch. Qu. *κατεπταχὼς* aut *καταπτακείς.* Phot. *πτακείς: δειλὸς, ὁ ἐπτηκώς.* Perfectum *ἔπτηχα* legitur Isocr. 94 A· *πεπτηῶτες* Hom. Od. 14, 474. *πεπτηὼς* Simonid. 179.

253. *ὀσμὴ*] *ὀδμὴ* Schwenk. *με προσγελᾷ*] *προσγελᾶν τινα* Herod. V. 92. Qu. *προσέβαλεν.* Cf. ad Arist. Pac. 600. *πόθεν βροτοῦ με* (*μοι?*) *προσέβαλ'*; Plat. Resp. III. 201 C. *ὁπόθεν ἂν αὐτοῖς — τι προσβάλῃ, ὥσπερ αὔρα φέρουσα ἀπὸ χρηστῶν τόπων ὑγίειαν.* Theophr. H. Pl. IX. 7. 1. *εἰσβάλλοντι δ' εἰς τὸν τόπον εὐθὺς ὀσμὴ προσβάλλει.* Lucian. Halc. 1. *τίς ἡ φωνὴ προσέβαλεν ἡμῖν;*

255. *μάλ' αὖ*] *μάλ' εὖ* Burges. *λεύσσετον πάντα* (*παντᾷ*) mss. *λεύσσε*τον*